वाले और जो बोरा वगैरह गोदामों से ढोते हैं— इन दोनों कुलियों के बीच में अन्तर क्या है और उनका रेट किस नियम के मुताबिक तय है तथा मंत्रालय ने कोई रेट तय किया है ?

श्री सी० के० जाफर शरीफ : जो प्लेटफार्म पर पैसेन्जर्स का सामान ढोते हैं, वे लाइसेंस्ड पोर्टर्ज होते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : दूसरे का क्या है ?

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: They are not the porters.

श्रीमती कृष्णा साही : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि पोर्टर्स के लिए क्या कोई एज-लिमिट है ? क्या मंत्री महोदय को इस बात की जानकारी है कि 10-15 वर्ष के बच्चे, स्कूल-गोइंग-चिल्ड्रन , रेलवे स्टेशन्ज पर बिना लाइसेंस के पोर्टर्स का काम करते है ?

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: It has not come to the knowledge of the administration.

श्रीमती कृष्णा साही : वे हमारा सामान उठा कर लाते है और मंत्री महोदय कहते है कि उनको मालूम नहीं है । पचासों लड़के ऐसा काम करते है ।

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: It has not come to the knowledge of the administration. If any specific instances are given, we will look into it.

श्री रामनगीना मिश्र : अध्यक्ष महोदय, इस सभ्य युग में विदेशों मे भी कुली शब्द का इस्तेमाल नहीं किया जाता है । इस सभ्य युग मे जब हर आदमी अपने को समाजवादी कहता है, तो वह किसी को अपना नौकर नही बनाना चाहता है । कुली शब्द से ऐसी भावना व्यक्त होती है कि वह कोई निम्न-कोटि का व्यक्ति है । क्या कुली शब्द को बदल कर सहयोगी शब्द का इस्तेमाल किया जायगा ?

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: It is a suggestion for consideration.

रेल मंत्री (श्री कमलापति त्रिपाठी) : हम किसी को कुली नहीं कहते हैं, हमारे यहां तो पोर्टर कहा जाता है और पोर्टर ही है । यदि माननीय सदस्य चाहते हैं कि उनको सहभोगी बना दिया जाय, तो इस पर विचार कर लेंगे ।

Railway Lines in Gujarat

*577. SHRI AMARSINH V. RATHAWA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of the railway lines proposed to be laid in Gujarat during the next five years;

(b) the area earmarked as backward area, which is to be connected with the railways in Western region; and

(c) when the survey therefor is likely to be made?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c). There are the following proposals for railway lines in Gujarat State in the next five years:

(i) and (ii) above rall in the tribal line under construction;

(ii) Madasa-Shamlaji Road BG line under survey; and

(iii) Gandhidham - Bhuj - Lakhpat BG line under survey.

(i) and (ii) above all in the tribal area of Gujarat. As regards item (iii) it is in Kutch area which is also a backward area.

Survey for item (ii) is in progress and the report is expected to be received shortly. As regards item (iii) it has been approved in Railway's Budget for 1980-81 and the survey work will be taken up soon.

श्री अमर सिंह वी० राठवा : अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय ने अगले पांच सालों में गुजरात में जो काम किया जाना है, उसके बारे में बताया है । हमारे यहां बड़ौदा जिले और भड़ोच के नजदीक नर्मदा योजना चल रही है, वहां पर माल पहुंचाना बहुत जरूरी है । इस समय बड़ौदा से छोटा उदयपुर नैरोगेज लाइन है जो आदिवासी क्षेत्र से गुजरती है, इसी तरह से भड़ोच से राजपीपला

लाइन है—इनको भी शीघ्र ब्राड गेज में बदला जाना चाहिए । क्या आपके पास इन लाइनों को ब्राड-गेज में बदलने की कोई योजना है ?

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: There are following proposals for railway lines in Gujarat State in the next five years: Nadiad-Kapadvanj-Modasa BG line under construction; Modasa-Shamlaji Road BG line under survey and Gandhidham-Bhuj-Lakhpat BG line under survey. The first two fall in the tribal area of Gujarat and, as regards the third one, it is in Kutch area which is also a backward area. Survey for item No. 2 is in progress and the report is expected to be received shortly. As regards item No. 3, it has been approved in the Railway Budget for 1980-81, and the survey work will be taken up soon.

श्री अमर सिंह बो० राठवा : मैंने जो प्रश्न पूछा था, उसका जवाब नहीं आया । मैंने पूछा था कि बड़ोदा से छोटा उदयपुर एक नैरो गेज लाइन है और उसको ब्राड गेज में बदलने की पांच साल से मांग है । वह पर नर्मदा योजना है । इसलिए वहां पर माल पहुंचाने में तकलीफ होती है और दूसरे मैंने पूछा था कि भरीच से राजपीपला की जो नैरो-गेज लाइन है, उसको ब्राड गेज में बदलने की कोई योजना आपके पास है ?

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: The proposal is not before us. It all depends on the discussion, when we discuss with the State Government and the Planning Commission. As it stands today, the proposal is not before us.

श्री हीरालाल आर० परमार : मैं माननीय रेल मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उत्तर गुजरात से राजस्थान रेल रास्ता बहुत छोटा बनाने के लिए पिछले 20 साल से इस सदन में सतत मांग चली हुई है लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्य नहीं हुआ है । कांसा-से-भीलड़ी का भाग 15 किलोमीटर का है । उसके लिए क्या सरकार ने कुछ सोचा है । इसी तरह से राधनपुर से हारीज तक लाइन बनाने के लिए क्या सरकार ने कुछ सोचा है । हमारी जो यह मांग है उसको ठुकराया जाता है और उसको स्वीकार नहीं किया जा रहा है । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस बारे में हमें आन्दोलन करना पड़ेगा ?

रेल मंत्री (श्री कमलापति त्रिपाठी) : मान्यवर, जो ये चाहते हैं, उसको लिख कर भेज दें, मैं उस पर गम्भीरता से विचार करूंगा, कोई आन्दोलन करने की जरूरत नहीं है ।

SHRI RATANSINH RAJDA: Government had already declared that the railway line from Viramgaon to Okha would be converted from metre gauge to broad gauge. How far has progress been made in that connection?

SHRI KAMALAPATI TRIPATHI: I think, the work between Viramgaon & Happa is complete and beyond that the work is in progress now. The opening will take place early at a convenient time.

Multinational Study about Indian Doctors

*578. SHRI S. M. KRISHNA:
SHRI P. M. SAYEED:

Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) whether according to a multinational study by the World Health Organisation, India is over-producing doctors and has 80,000 more physicians than it can sustain;

(b) if so, Government's reaction thereto;

(c) the average amount that the public exchequer has to bear in making in India; and

(d) what effective steps have been or are being taken to prevent emigration of medical manpower of the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR): (a) Yes, Sir, the said study has made this observation.

(b) The Report is yet to be fully examined by the Government.

(c) and (d). A statement is laid on the Table of the Sabha.